



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

---

सं० 58] नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 18, 1982/माघ 29, 1903  
No. 58] NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 18, 1982/MAGHA 29, 1903

---

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

---

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1982

कत.आ. 84(अ).—स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का 45) की  
धारा 4 के अधीन प्रशासक के रूप में नियुक्त मी, एम.वी.एन. राव उक्त अधि-  
नियम की धारा 4 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए  
उक्त अधिनियम की धारा 26 के खण्ड (ग) में निर्दिष्ट ऐसे स्वर्ण को जो चांदी  
के परिष्करण और गलाने से प्राप्त हो, उक्त अधिनियम की धारा 26 में यथा-

विनिर्दिष्ट रूप में व्यय करने का प्राधिकार देने के लिए मुम्बई स्थित स्वर्ण (निर्दिष्ट) प्रशासक के प्रादेशिक कार्यालय में उप सचिव को प्राधिकृत करता है ।

[सं. 1/82-एफ 141/6/81-जी सी-2]

एम. वी. एन. राव, प्रशासक

**MINISTRY OF FINANCE**

**(Department of Revenue)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 18th February, 1982

**S.O. 84(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 4 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), I, M. V. N. Rao, the Administrator appointed under section 4 of the said Act, hereby authorise the Deputy Secretary in the Regional Office of the Gold Control Administrator, Bombay, to exercise the powers under clause (c) of section 26 of the said Act for giving authorisation for disposal of gold recovered from refining or melting of silver as referred to in section 26 of the said Act.

[No. 1/82-F. 141/6/81-GC.II]

M. V. N. RAO, Administrator.